Dainik Bhaskar (Front Page) 17 June, 2018

1 हजार कारों पर बिक रही है 1 इलेक्ट्रिक कार

2020 तक देश में प्रतिवर्ष 10% से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का अनुमान

धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया | नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने वर्ष 2020 में इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी यह कार भारत में ही बनाएगी। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री कुल वाहनों की बिक्री के एक प्रतिशत से भी कम है। जबकि चार पहिया वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी महज 0.1% ही है। यानी हजार सामान्य कार की बिक्री के मुकाबले एक इलेक्ट्रिक कार। यह बात हाल ही में आईं एसोचैम-ईवाय की स्टडी में सामने आई है। वित्त वर्ष 2016-17 में देश में कुल 30 लाख से अधिक कारों की बिक्री हुई। वहीं एसोचैम और नोमुरा रिसर्च इंस्टिट्यूट (एनआरआई) के मुताबिक देश में कुल दो पहिया वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 2016-17 में 0.01 फीसदी थी। यानी 10 हजार दो पहिया वाहनों की बिक्री पर एक दो पहिया इलेक्ट्रिक वाहन। वैसे देश में 2020 तक प्रति वर्ष इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 10 फीसदी से अधिक बढ़ने का अनुमान है। सरकार की प्राथमिकता पब्लिक ट्रांसपोर्ट में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ाने की है। निजी कारों को प्राथमिकता न देने का कारण कुल वाहनों में इनकी हिस्सेदारी का कम रहना है। इलेक्ट्रिक वाहनों की श्रेणी में तेजी से छोटी और मध्यम दूरी के लिए ई-रिक्शा बढ़ रहे हैं। वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान 60 हजार ई-रिक्शा बिके। देश में मौजूदा समय में 10 लाख से अधिक ई-रिक्शा होने का अनुमान है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार कहते हैं कि इलेक्ट्रिक व्हीकल को कार से अलग देखने की जरूरत है। हमारे यहां इलेक्ट्रिक व्हीकल पहले टू व्हीलर, थ्री व्हीलर और बस में आएगा। उसके बाद कार में आएगा, क्योंकि कार की हिस्सेदारी वाहनों में कम है। कुल वाहनों में कार की हिस्सेदारी 13% है। इसमें भी 80 फीसदी कारों की कीमत पांच लाख रुपए से कम है। शेष | पेज 14 पर

1 हजार कारों पर बिक रही है 1 इलेक्ट्रिक...

राजीव कुमार कहते हैं कि पूरी दुनिया में बड़ी और महंगी कारों की बात होती है। हमारी नीति का फोकस पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर होगा न कि कार पर। इसीलिए हमारा चार्जिंग स्ट्रक्चर और तकनीक थोड़ी अलग होगी। हालांकि देश में दो पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2011-12 में इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहनों की बिक्री अधिक हो रही थी। तब 90 हजार वाहन बिके थे। वहीं वर्ष 2016 में 25 हजार वाहनों की ही बिक्री हुई। कारण सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी खत्म करना रहा। भारी उद्योग मंत्रालय के मुताबिक देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए 14 हजार करोड़ रुपए चाहिए। अगले पांच साल में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को प्रोत्साहन के लिए 8700 करोड़ रुपए देने की योजना है। फेम वन स्कीम में चार पहिया वाहनों पर 13 हजार रुपए से लेकर 1.38 लाख रुपए तक की सब्सिडी दी जाती थी और अभी फेम टू स्कीम के लिए वाहनों पर कितनी सब्सिडी दी जाएगी यह तय नहीं की गई है। एर्नेस्ट एंड यंग (ईवाय) के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी निदेशक कण्व गर्ग ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल या डीजल व्हीकल्स से 50 फीसदी से अधिक महंगे होते हैं। हर 10-12 इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर चार्जिंग पॉइंट होना चाहिए। देश में वर्तमान में सिर्फ 353 चार्जिंग स्टेशन हैं। शहर की आवश्यकता के हिसाब से इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ाना होगा। यह कार्य नगर निगम कमिश्नर आदि लोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनियों को भी इस प्रकार का महौल तैयार करना पड़ेगा कि बिना सब्सिडी के वाहन बिक सकें। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए रिहायशी क्षेत्रों में और व्यावसायिक जगहों पर चार्जिंग की सुविधा बढ़ानी होगी। एसोचैम के सेक्रेटरी जनरल डी.एस. रावत के मुताबिक देश में वर्तमान में इलेक्ट्रिक कार का बिक्री में बहुत कम योगदान है। करीब एक हजार कार बिकने पर एक इलेक्ट्रिक कार की बिक्री हो रही है। सरकार को इसे प्रमोट करने के लिए कंपनियों और ग्राहकों को टैक्स राहत और सब्सिडी देनी चाहिए।द सोसाएटी ऑफ मैन्यूफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एसएमईवी) के अनुसार वर्तमान में देश में चार लाख से अधिक दो पहिया इलेक्ट्रिक वाहन हैं, वहीं चार पहिया वाहन की संख्या कुछ हजार में ही है। एसएमईवी के अनुसार देश में वर्ष 2016-17 में कुल 25 हजार इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जिनमें 92 फीसदी दो पहिया वाहन थे।

देश में सर्वाधिक कारें बेचने वाली कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के प्रवक्ता ने कहा कि हम 2020 में अपनी इलेक्ट्रिक कार भारत में लॉन्च करेंगे। भारतीय बाजार के अनुरूप कार लाएंगे। हमने ग्राहकों की सोच को समझने के लिए एक सर्वे भी किया है। अभी चार्जिंग स्टेशन आदि को लेकर कोई योजना नहीं है। इसके लिए टोयोटा के साथ काम कर रहे हैं। वहीं टाटा मोटर्स के प्रवक्ता ने कहा कि करीब एक दशक से हम इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कार्य कर रहे हैं, खासतौर पर व्यावसायिक वाहनों के वर्ग में। उन्होंने कहा कि हमने 10 में से छह शहरों के लिए इलेक्ट्रिक बस का ऑर्डर हासिल किया है, जिसके तहत 190 बसें हम डिलीवर करेंगे। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र सरकार से एमओयू भी साइन किया है, जिसके तहत एक हजार इलेक्ट्रिक यात्री वाहन और व्यावसायिक वाहन हम देंगे। इलेक्ट्रिक कार के मामले में महिंद्रा एंड महिंद्रा देश में पहल करने वाली अग्रणी कंपनी है। कंपनी की योजना 2020 से 60 हजार कार प्रतिवर्ष बनाने की है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर्स की योजना वर्ष 2019 में इलेक्ट्रिक कार मार्केट में लाने की है। इसके अतिरिक्त करीब आधा दर्जन से अधिक प्रमुख कंपनियां इस क्षेत्र में सक्रिय हैं।